

सृष्टि का किरदार निभाना थोड़ा अलग अनुभव : गुलकी जोशी

अभिनेत्री गुलकी जोशी का कहना है कि सोनी सब के नये शो हुई गुम यादें- एक डॉक्टर, दो जिंदगियाँ में सृष्टि का किरदार निभाना उनके लिये थोड़ा अलग अनुभव था.

सोनी सब का नया शो हुई गुम यादें- एक डॉक्टर, दो जिंदगियाँ, जो लोकप्रिय इटैलियन सीरीज डीओसी (डॉक) का रूपांतरित संस्करण है. यह शो छह अप्रैल से शुरू होगा और हर सोमवार से शनिवार रात आठ बजे प्रसारित होगा. कहानी डॉ. देव मेहता (इक्रबाल खान) की है, जो एक जाने-माने डॉक्टर हैं और अपनी आठ साल की यादें खोने के बाद जिंदगी को नए सिरे से जीने की कोशिश करते हैं. इस सफर में उनके आसपास के लोग, जिनमें उनकी पूर्व पत्नी

(गुलकी जोशी) भी शामिल हैं, उन भावनाओं का सामना करते हैं, जिन्हें वे लंबे समय से दबाए हुए थे. सृष्टि अस्पताल की एडमिनिस्ट्रेटर हैं, जो संचालन को स्पष्टता, अनुशासन और संयम के साथ संभालती हैं. वे संतुलित, व्यावहारिक और भावनात्मक रूप से संयमित हैं, जो अक्सर प्रतिक्रिया देने के बजाए धैर्य चुनती हैं. उनकी शांत और परिपक्व मौजूदगी उन्हें अस्पताल का स्तंभ बनाती है और उनके निजी जीवन में सफर को भी गुलकी जोशी के लिए सृष्टि का किरदार निभाना उनके पिछले शो मैडम सर में निभाए गए मजबूत और बेबाक किरदारों से अलग था.



500 करोड़ के क्लब में शामिल फिल्म धुरंधर : द रिवेंज

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज कमाई ने भारतीय बाजार में 519 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है. आदित्य धर के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर की सीक्वल धुरंधर: द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई कर रही है. इस फिल्म में रणवीर सिंह, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन की अहम भूमिका है. इस फिल्म ने



‘तुम्बाड़ 2’ के लिए बनाया जा रहा है विशाल सेट!

फिल्म ‘तुम्बाड़ 2’ के लिए मुंबई में विशाल सेट बनाया जा रहा है. ‘तुम्बाड़’ के साथ सोहम शाह ने सिनेमा की दुनिया में एक मास्टरपीस बनाया है. जहाँ इस फिल्म ने एक ‘कल्ट क्लासिक’ पहचान बनाई और इसे हिंदी की सबसे बेहतरीन हॉरर फिल्मों में गिना जाता है, वहीं 2024 में इसके दोबारा रिलीज होने पर इसने इतिहास रच दिया और यह दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली री-रिलीज फिल्म बन गई. तभी से दर्शक ‘तुम्बाड़ 2’ का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, और सोहम शाह के इसके अनाउंसमेंट ने लोगों की एक्साइटमेंट को और बढ़ा दिया है.



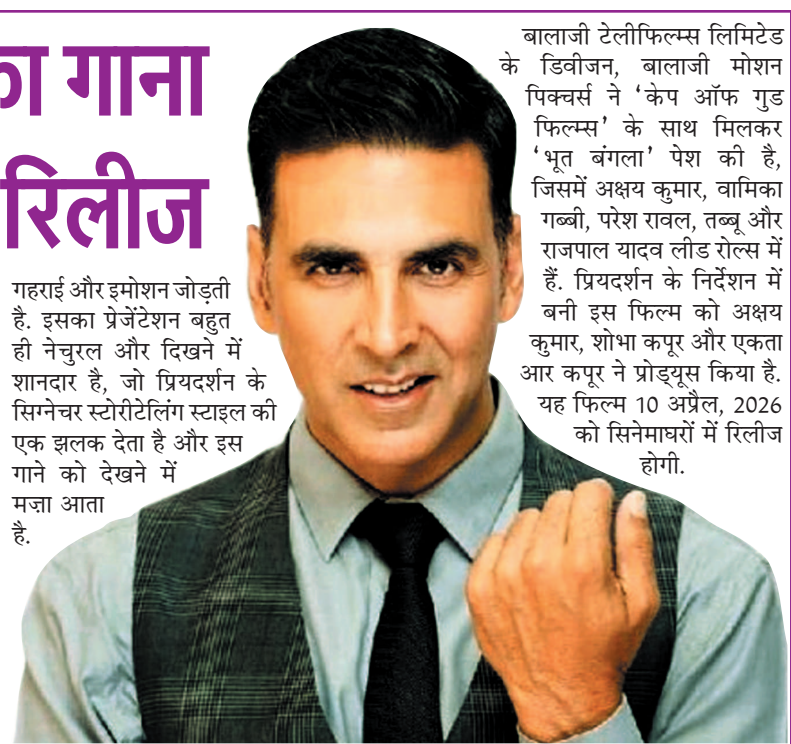
अब, ‘तुम्बाड़ 2’ के प्रोडक्शन से जुड़ी एक बड़ी खबर आ रही है कि इस बार मेकर्स इसे और भी बड़े और भव्य लेवल पर ले जा रहे हैं. सूत्रों के अनुसार, फिल्म के पहले शेड्यूल के लिए मुंबई में एक विशाल और पूरी की पूरी ‘सिटी’ (शहर) का सेट तैयार किया जा रहा है. ‘फिल्म के लिए मुंबई में 7-8 एकड़ का एक विशाल सेट तैयार किया जा रहा है. यह एक पूरी की पूरी सिटी (शहर) होगी, जिसे फिल्म के पहले शेड्यूल के लिए बनाया जा रहा है. फिल्म की कहानी या इसके ट्रेटमेंट के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं है.

कॉमेडी रोल ने बिगाड़ दिया गेम : नीना गुप्ता

नीना गुप्ता ने हाल ही में अपने करियर के उस पहलू पर खुलकर बात की, जिसे लेकर वे लंबे समय तक चुप रहीं. उन्होंने बताया कि 1982 में आई फिल्म ‘साथ साथ’ उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती थी, लेकिन यह उनके करियर की सबसे बड़ी गलती बन गई. नीना गुप्ता ने इस फिल्म में एक कॉमिक और भोली-भाली लड़की का किरदार निभाया था. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, लेकिन इस रोल ने उनकी छवि को सीमित कर दिया. उन्होंने बताया कि फिल्म के प्रीमियर के

भूत बंगला का गाना तू ही दिसदा रिलीज

फिल्म ‘भूत बंगला’ का नया गाना ‘तू ही दिसदा’ रिलीज हो गया है. फिल्म ‘भूत बंगला’ के मेकर्स ने इस फिल्म का दूसरा गाना ‘तू ही दिसदा’ रिलीज कर दिया है, जो इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में रोमांस का एक फ्रेश तड़का लगाता है. पहले गाने ‘राम जी आके भला करेंगे’ के बाद, अब आया ‘तू ही दिसदा’ अक्षय कुमार और वामिका गब्बी को एक ड्रीम रोमांटिक अवतार में दिखाता है. यह गाना उनकी खूबसूरत केमिस्ट्री को कमाल के विजुअल्स के साथ बखूबी पेश करता है. गाने की खूबसूरती को और बढ़ाते हुए, इसे अरिजीत सिंह और निखिता गांधी ने गाया है, जिनकी रूहानी आवाज़ विजुअल्स में एक



वीरों की भव्य गाथा- हस्तिनापुर के वीर

सोनी सब, अपना मेगा शो हस्तिनापुर के वीर पेश करने जा रहा है. यह एक दमदार कहानी है साहस, अनुशासन और कालातीत मूल्यों की. इस महागाथा में दिखाया जाएगा कि कैसे धैर्य, भाईचारा और एक सशक्त माँ का मार्गदर्शन उन योद्धाओं को गढ़ता है, जिन्होंने इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी. दर्शकों में उत्साह बढ़ाने के लिए सोनी सब ने एक दिलचस्प प्रोमो लॉन्च किया है, जो इस सफर को खूबसूरती से दिखाता है. यह प्रोमो पहले ही दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया पा रहा है. हस्तिनापुर की भव्य पृष्ठभूमि पर आधारित यह शो एकता, धर्म और दृढ़ता की कहानी को जीवंत करता है. यह बताता है कि महानायक पैदा नहीं होते, उन्हें बनाया जाता है.



अक्षय खन्ना की कमी खली : सौम्या टंडन

इन दिनों फिल्म धुरंधर को लेकर जबरदस्त चर्चा बनी हुई है. कहानी, किरदार और दमदार प्रदर्शन की वजह से यह फिल्म दर्शकों के बीच खास जगह बना रही है. इसी बीच फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली सौम्या टंडन ने अपने किरदार और फिल्म के अनुभव को लेकर खुलकर बात की है. हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में सौम्या टंडन ने बताया कि भले ही उनका रोल फिल्म में छोटा था, लेकिन वह कहानी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि फिल्म में

अक्षय खन्ना की कमी उन्हें और दर्शकों को जरूर महसूस होती है. पहले पार्ट में उनके शानदार अभिनय ने फिल्म को एक अलग ही स्तर पर पहुंचा दिया था. सौम्या ने अपने उस एक सीन का भी जिक्र किया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. उन्होंने कहा कि वह सीन काफी इंटेंस और भावनात्मक है, जिसे दर्शकों को फिल्म में देखकर ही महसूस करना चाहिए. उनकी यह प्रतिक्रिया फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्सुकता को और बढ़ा रही है.



कृषि जगत

अंजीर एक ऐसा सुखा और ताजा फल है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है. प्राचीन काल से आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा पद्धति में अंजीर का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता रहा है. इसमें काइबर, कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर

भिण्गोकर सुबह सेवन करने से पेट साफ रहता है और गैस, एसिडिटी जैसी समस्याओं में आराम मिलता है. जिन लोगों को बार-बार अपच की शिकायत रहती है, उनके लिए अंजीर एक प्राकृतिक औषधि की तरह काम करता है.



अंजीर : सेहत का मीठा खजाना

मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को कई बीमारियों से दूर रखने में मदद करते हैं. रोजमर्रा के खान-पान में अंजीर को शामिल कर स्वस्थ जीवन की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाया जा सकता है. पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में अंजीर का खास योगदान है. इसमें मौजूद उच्च मात्रा का फाइबर कब्ज की समस्या से राहत दिलाने में सहायक होता है. रात में अंजीर को पानी में

हड्डियों को मजबूत रखने में भी अंजीर बेहद उपयोगी है. इसमें कैल्शियम और फॉस्फोरस अच्छी मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों और दांतों को मजबूती प्रदान करते हैं. बढ़ती उम्र में होने वाली ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचाव के लिए अंजीर का नियमित सेवन लाभकारी माना जाता है.

नकदी फसल मिर्च : छोटी लागत, लगातार आय

मिर्च की खेती आज नकदी फसलों में तेजी से उभरता विकल्प बन रही है, क्योंकि इससे किसानों को लागत के मुकाबले अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है. भारत में मिर्च का उपयोग खाने के साथ-साथ मसाला उद्योग और अचार निर्माण में बढ़े पैमाने पर होता है, इसलिए इसकी मांग पूरे वर्ष बनी रहती है. यही कारण है कि जिन किसानों ने परंपरागत फसलों की जगह मिर्च की खेती अपनाई है, उनकी आमदनी में सकारात्मक बढ़ोतरी देखने को मिली है. मिर्च की खेती के लिए उपजाऊ दोमट या हल्की काली मिट्टी उपयुक्त मानी जाती है और सामान्य सिंचाई सुविधा होने पर भी यह फसल अच्छी तरह तैयार हो जाती है. लागत की बात करें तो इसमें खेत की तैयारी, उन्नत बीज, पौध तैयार करना, रोपाई, खाद-उर्वरक और समुचित कीट प्रबंधन पर खर्च होता है. हालांकि धान-गेहूं जैसी मोटी लागत वाली फसलों की तुलना में मिर्च में प्रति बीघा लागत अपेक्षाकृत संतुलित रहती है, जबकि बाजार में मिलने वाला मूल्य कई गुना अधिक होता है. यही स्थिति



इस फसल को किसानों के लिए लाभकारी बनाती है. मिर्च की फसल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि एक बार पौधे तैयार हो जाने के बाद लम्बे समय तक लगातार तुड़ाई होती रहती है, जिससे किसानों को बार-बार आय का अवसर मिलता है और एकमुश्त बेचने का दबाव नहीं रहता. ताजी हरी मिर्च के साथ-साथ सुखी लाल मिर्च का बड़ा बाजार उपलब्ध है, जिससे किसानों के

हालांकि मिर्च की खेती में कुछ जोखिम भी हैं, जैसे कीट-रोग का प्रकोप या कीमती नुसार-चढ़ाव, पर सही जानकारी, समय पर दवा छिड़काव और फसल-बीमा जैसी योजनाएँ इन जोखिमों को काफी हद तक कम कर देती हैं. कई राज्य सरकारें मिर्च उत्पादक किसानों को प्रशिक्षण और सब्सिडी भी प्रदान कर रही हैं, जिससे लागत घटती है और लाभ बढ़ता है. कुल मिलाकर देखा जाए तो मिर्च की खेती एक ऐसी नकदी फसल के रूप में सामने आई है जो किसानों को लगातार आय, बेहतर बाजार संभावनाएँ और उच्च लाभ प्रदान कर रही है.

पास विक्रय के कई विकल्प मौजूद रहते हैं. निर्यात संभावनाएँ और मसाला कंपनियों की सीधी खरीद भी किसानों के लिए अतिरिक्त लाभ का रास्ता खोलती हैं. यदि किसान उन्नत किस्में अपनाएं, मल्टिपल, ड्रिप सिंचाई और एकीकृत कीट-रोग प्रबंधन तकनीक का उपयोग करें तो उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि होती है, जिसका सीधा असर बाजार मूल्य पर पड़ता है.



भैंसों की सुरक्षा : बेहतर देखभाल से बेहतर परिणाम

भैंसों की देखभाल विशेष सावधानी से करना बहुत जरूरी होता है. क्योंकि सीधा असर उनके स्वास्थ्य, दूध उत्पादन और प्रजनन क्षमता पर पड़ता है. सबसे पहले उनके रहने के स्थान पर ध्यान देना चाहिए. खुली, ठंडी और नमी वाली जगह भैंसों के लिए हानिकारक होती है, इसलिए बाड़े को सूखा, साफ और हवा रुकने योग्य रखना चाहिए. फश पर फूस, भूसा या सूखी दरिया बिछाने से ठंड जमीन से नहीं चढ़ती और जानवर आराम महसूस करते हैं. बहुत ठंड पड़ने पर बाड़े के दरवाजे-खिड़कियाँ रात में बंद रखें तथा सुबह धूप लगने दें ताकि प्राकृतिक गर्माहट मिल सके. नहाने के पानी में सर्दियों में ठंडा पानी इस्तेमाल न करें, गुनगुने पानी से स्नान कराना बेहतर रहता है. इसके साथ ही भैंसों के शरीर पर बोरा या जूट की गुनगुनी चादर डालना भी उन्हें ठंड से बचाता है. खुराक के बारे में बात करें तो ठंड में ऊर्जा की जरूरत बढ़ जाती है, इसलिए संतुलित आहार देना

बहुत महत्वपूर्ण है. हरी चारा, सूखा चारा, भूसा, खली और दाना उचित मात्रा में देना चाहिए. सैंसों में भूसा या सूखा चारा थोड़ा गर्म करके देना लाभदायक रहता है. साथ ही गुड़, दाने और खली का मिश्रण शरीर में गर्मी पैदा करने में मदद करता है. स्वच्छ और हल्का गुनगुना पानी पीने के लिए हमेशा उपलब्ध रखें ताकि भैंस पर्याप्त पानी पिए और दूध उत्पादन प्रभावित न हो. खनिज मिश्रण और नमक चाट नियमित रूप से देना चाहिए, इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है. ठंड के मौसम में चिटामिन-ए और डी की सफ्टीमेंट भी पशु चिकित्सक की सलाह से देना उपयोगी होता है. ठंड लगने से निमोनिया, खांसी, बुखार और जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएँ भैंसों में अधिक देखने को मिलती हैं, इसलिए उनके व्यवहार पर नजर रखना जरूरी है. यदि जानवर सुस्त पड़े रहें, खुराक कम कर दें या नाक से पानी आए तो तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए.